भजन

तुम्हारे इश्क में रहना,ये रूह की हसरत हो
पिया जी ऐसा मोहोल दे दो और क्या वाहें

1– तलब तुम्हारी रखना हमारे हाथ नहीं
तड़पना इश्क में हमरे ये बस की बात नहीं
हमारी अर्शे इबादत हो और क्या चाहें

2– पिया को रिझाऊं ऐसी तो मुझमें बात नहीं
फना हो जाऊं ऐसे भी तो हालात नहीं
दिलों में प्यार की रंगत हो और क्या चाहें

3– तुम्हारे ईल्म से एहसास ऐसा होता है
के इश्क हक का रुहों से खास होता है
हमारा आलमे वाहेदत हो और क्या चाहें